डीएन कॉलेज के स्टूडेंट्स ने राखीगढ़ी का किया भ्रमण

भास्कर न्यूज | हिसार

डीएन कॉलेज के इतिहास विभाग के तत्वावधान में शैक्षणिक भ्रमण के तहत राखीगढ़ी का भ्रमण किया। भारतीय पुरातत्व विभाग के उपनिदेशक डॉ. संजय मंजूल के नेतृत्व में जारी खुदाई के विभिन्न पक्षों को विद्यार्थियों ने समझा। विद्यार्थियों की नगर योजना, सड़कें, गली व ईंटों के बारे में बताया। इसके बाद विद्यार्थियों को इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने उस स्थल को दिखाया जहां खुदाई से प्राप्त सामान रखा था। इसके बाद हिसार के क्रान्तिमान पार्क का भी विद्यार्थियों ने भ्रमण किया।

बता दें कि राखीगढ़ी पुरातात्विक दृष्टि से देश का एक महत्वपूर्ण व ऐतिहासिक स्थल है।

डीएन कालेज के विद्यार्थियों ने राखीगढ़ी का किया भ्रमण

जागरण संवाददाता, हिसार : दयानन्द महाविद्यालय के इतिहास विभाग के तत्वाधान में शैक्षणिक भ्रमण के तहत ऐतिहासिक स्थल राखीगढ़ी का भ्रमण किया गया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के उपनिदेशक डा. संजय मन्जूल के नेतृत्व में जारी खुदाई के विभिन्न पक्षों को विद्यार्थियों ने गहराई से समझा। वर्तमान में यह खुदाई टीला नं. एक व टीला नं. तीन पर जारी है। टीला नं. एक पर डैक्कन कालेज पुणे के विशेषज्ञ डा. चैन्तय के द्वारा बताया गया कि गत वर्ष के खनन एवं इस वर्ष के खनन में क्या अन्तर है तथा इसी अनुरूप यहाँ मिली विभिन्न चीज़ों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यहां की नगर योजना, सड़के, गली व ईंटों के बारे में विस्तार से बताया। प्रसिद्ध इतिहासकार डा. महेन्द्र सिंह ने उस स्थल को दिखाया जहां खुदाई से प्राप्त सामान रखा था। इसमें विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तन, ईंटे, बच्चों के खिलौने तथा चुड़ियों के बारे में उन्होंने जानकारी दी। इसके बाद टीले नं. 3 पर विशेषज्ञा दीशा तथा सूरज यादव द्वारा व्यापक तौर पर जानकारी दी गई।

दयानन्द महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया ऐतिहासिक स्थल राखीगढ़ी का शैक्षणिक भ्रमण

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 24 अप्रैल : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के इतिहास विभाग के तत्वाधान में शैक्षणिक भ्रमण के तहत ऐतिहासिक स्थल राखीगढ़ी का भ्रमण किया गया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के उपनिदेशक डॉ. संजय मन्जूल के नेतृत्व में जारी खुदाई के विभिन्न पक्षों को विद्यार्थियों ने गहराई से समझा। वर्तमान में यह खुदाई टीला नं. एक व टीला नं. तीन पर जारी है। टीला नं. एक पर डैक्कन कॉलेज पुणे के विशेषज्ञ डॉ. चैन्तय के द्वारा बताया गया कि गत वर्ष के खनन एवं इस वर्ष के खनन में क्या अन्तर है तथा इसी अनुरूप यहाँ मिली विभिन्न चीज़ों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यहाँ की नगर योजना, सड़के, गली व ईंटों के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद विद्यार्थियों को इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह ने उस स्थल को दिखाया जहाँ खुदाई से प्राप्त सामान रखा था। इसमें विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तन, ईंटे, बच्चों के खिलौने तथा चुड़ियों के बारे में उन्होंने जानकारी दी। इसके बाद टीले नं. 3 पर विशेषज्ञया दीशा तथा सूरज यादव द्वारा व्यापक तौर पर जानकारी दी गई। विभाग के शिक्षक श्री महेन्द्र सिंह ने छोटे-छोटे समूह बनाकर भी इस स्थल की जानकारी विद्यार्थियों को दी। राखीगढ़ी से चलकर विद्यार्थी हिसार नगर के क्रान्तिमान पार्क पहुँचे जहाँ उन्हें 1857 के स्मारक, 29 मई 1857 की घटना की विस्तार से जानकारी दी गई। इसी कड़ी में छात्रों ने चर्च प्रांगण में 1857 में मारे गए डिप्टी कमिश्नर वैडरबर्न, तहसीलदार थामसन की कब्र भी देखी। चर्च के स्थापत्य, उपासना शैली, कब्रगाह तथा वर्तमान चर्च में बैठने की व्यवस्था के बारे में जानकारी श्री डेविड के द्वारा दी गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने विद्यार्थियों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया तथा उन्हें बताया कि ज्ञान लेने की शैली कक्षा के सामान्य कमरों के साथ-साथ भ्रमण से भी मिलती है। यह समय की मांग है कि विद्यार्थी अपनी विरासत व पूर्वजों के बारे में जाने। राखीगढ़ी जैसा गौरवपूर्ण स्थल हिसार में होना और अधिक खुशी की बात है। इसकी हमें जानकारी लेकर लाभ उठाना चाहिए। इस सफ्ल आयोजन के लिए प्राचार्य ने इतिहास विभाग को मुबारकवाद दी।